ANNEXURE -A

DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA ZONE						
PA- III, SUBJECT : HIGHER HINDI , CLASS : VIII						
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER						
UNIT	**LA-II (5 marks)**	**LA-I (3 marks)**	**SA-I (2 marks)**	**MCQ (1 marks)**	**VSA-I (1 marks)**	**TOTAL**
अपठित गदयांश					**1×5**	**05**
व्याकरण				**1×10**		**10**
पाठ्य -पुस्तक		**3×1**	**2×6**		**1×5**	**20**
लेखन	**5×1**					**05**
	05	**03**	**12**	**10**	**10**	**40**

ANNEXURE -B

DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA ZONE				
PA- III, SUBJECT : HIGHER HINDI, CLASS : VIII				
QUESTION WISE ANALYSIS				
	Chapters / units	Forms of Question - (LA -II, LA-I, SA-I, VSA-II,VSA-I)	Marks Allotted	(R), (U), (A), (H), (E)
1	अपठित गदयांश	VSA-I	5	U/A
2	व्याकरण	MCQ	10	A
3	पाठ्य -पुस्तक	VSA -I, SA-I, LA-I	5+12+3	R/U/H
4	लेखन	LA-II	5	E

Easy : 15%

Average : 70%

Difficult : 15%

ANNEXURE -C

CLASS – VIII, HIGHER HINDI

सामान्य निर्देश:-यदि परीक्षार्थी ने ऐसा कोई सही उत्तर लिखा हो जो इस उत्तर संकेत में न हो, उसके भीयथासंभव अंकदिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	उपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक	पृष्ठ संख्या, पाठ्यपुस्तक
1.	**<u>खंड-'क' (अपठित गदयांश)</u>** क. संपादक मुंशी दयानारायण निगम ख. हंस ग. अंग्रेजी सरकार के प्रकोप से बचने के लिए। घ. अध्यापक थे / अध्यापन ङ. अमृतराय	1 1 1 1 1	5	NA (अपठित बोध)
2.	**<u>खंड-'ख' (व्याकरण)</u>** क. II. गिरि+ईश ख. I.वार्षिकोत्सव ग. III.घबरा जाना घ. III. सम् ङ. IV. एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना च. III. देश के लिए भक्ति -तत्पुरूष समास छ. I. A और B ज. IV. शशि, मयंक झ. III. तक ञ. II- कर्म कारक	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	10	(अभ्यास सागर से) पृ.सं 73 84 83 82 75 81 82 85 82 77
3.	**<u>खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)</u>** क. परिश्रम करने से कभी हानि नही होती। ख. कचहरी ग. आठवीं कक्षा घ. मानवती आर्या, कृष्ण चंद्र आर्या ङ. मनुष्य को	1 1 1 1 1	5	(ज्ञान सागरसे) 59 56 58 58 54
4.	क. कल्पना की सोच अन्य लड़कियों से इस तरह अलग थी लड़कियाँ जहाँ स्नातक होने के बाद वैवाहिक संस्कार या अच्छी नौकरी के विषय में सोचने लगती हैं वही कल्पना ने उनके बारे में ना सोचकर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधि खेलकूद आदि में पूरा ध्यान लगाया।	2		(ज्ञान सागरसे) 59

	ख. उन्होंने कहा “नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्रा के लिए जाने का गौरव विरले ही लोगों के भाग्य में होता है और कल्पना ने इसे प्राप्त किया है |” ग. श्रीधर को देखकर लेखक को अपने आप पर झुंझलाहट हो रही थी क्योंकि दोनों ही एक ही उम्र के थे परंतु श्रीधर उनसे हर बात में आगे था। लेखक बहुत कमज़ोर थे जबकि श्रीधर बहुत ही मजबूत शरीर वाला था। वह हर काम अकेले कर सकता था, ज्यादा खाता था और घुड़सवारी भी कर सकता था जबकि लेखक को यह सारी चीज़ें नहीं आती थीं। घ. बातचीत करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि हम अपने से अधिक महत्व उस व्यक्ति को दें, जिससे हम बातचीत कर रहे हैं हम दूसरों की सुख-सुविधा, रुचि-अरुचि, विचारों, सिद्धांतों, भावनाओं और मान-सम्मान का पूरा-पूरा ध्यान रखें । ङ. इसे इसकी माँ इतने बड़े खुले आसमान में अकेला खेलने छोड़ देती है , रोकती नहीं | काश! मेरी माँ मुझे इसी तरह अकेला छोड़ देती तो मैं अपने अरमानों को पूरा कर पाता | च. बादशाह ने तोते की देख-रेख करने वाले को हिदायत देते हुए कहा कि “यदि तोता मर गया तो उसे भी मार डाला जाएगा ।	2 2 2 2 2	12	61 67 54 67 56
5.	छात्रों के सही उत्तर पर अंक दिए जाएँगे।	3	3	(ज्ञा. सा से) 69 &65
6.	<u>**खंड-ख (सृजनात्मक लेखन)**</u> पत्र लेखन • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ (प्रारंभ + समापन) • विषयवस्तु • भाषाई शुद्धता	1+1 2 1	5	NA (सृजनात्मक लेखन)

****